भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2322
उत्तर देने की तारीख-04/08/2025

परख सर्वेक्षण में स्कूलों की भागीदारी

†2322. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
श्री सौमित्र खान:
श्री जयन्त बसुमतारी:
श्री अनन्त नायक:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में कितने छात्रों और विद्यालयों ने भाग लिया और सर्वेक्षण के अंतर्गत कौन से ग्रेडों का मूल्यांकन किया गया;
(ख) परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के कार्यकरण में सीबीएसई और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सरकारों की भूमिका का ब्यौरा क्या है; और
(ग) परख द्वारा परिकल्पित समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) का उद्देश्य क्या है और यह योग्यता आधारित मूल्यांकन ढांचे के साथ किस प्रकार मेल खाता है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख) परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 (पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण) राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख, एनसीईआरटी द्वारा स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में पूरा किया गया था, ताकि बुनियादी, प्रारंभिक और मध्यमिक चरणों (क्रमशः कक्षा 3, 6 और 9) के अंत में छात्रों में दक्षताओं के विकास में बुनियादी प्रदर्शन को समझा जा सके।

देशभर में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 781 जिलों के 74,000 से अधिक स्कूलों के 21.15 लाख से अधिक छात्रों और 2.70 लाख शिक्षकों एवं स्कूल प्रमुखों ने इस मूल्यांकन में भाग लिया। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय रिपोर्ट कार्ड https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en पर उपलब्ध हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा परख और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से 4 दिसंबर 2024 को संपन्न सर्वेक्षण का संचालन किया गया था। सीबीएसई अन्य बातों के साथ-साथ क्षेत्रीय समन्वयकों, जिला स्तरीय समन्वयकों और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण और भुगतान, ओएमआर, सर्वेक्षण प्रश्नावली पुस्तिका और अन्य आवश्यक प्रारूपों सहित परीक्षा सामग्री की छपाई और व्यवस्था, तथा डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए भरी गई ओएमआर शीट की स्कैनिंग के लिए भी ज़िम्मेदार था।

(ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत परिकल्पित समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) का उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति से अलग होकर योग्यता-आधारित और रचनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करना है। यह गुणवत्तापूर्ण और मात्रात्मक संकेतकों के माध्यम से संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को शामिल करते हुए प्रशिक्षार्थियों की बहुआयामी प्रगति को प्रस्तुत करता है। एचपीसी योग्यता-आधारित मूल्यांकन कार्यढाँचे (सीबीएएफ) के अनुरूप है और शिक्षक-नेतृत्व, सहकर्मी और स्व-मूल्यांकन कार्यप्रथाओं को बढ़ावा देकर व्यक्तिगत शिक्षण की सहायता करता है। यह छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को नियमित, क्रियाशील प्रतिक्रिया प्रदान करके अधिगम परिणामों को बेहतर बनाने में सक्षम बनाता है।

परख ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में परिकल्पित स्कूल शिक्षा के चारों चरणों, अर्थात् बुनियादी, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक, में समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) विकसित किए हैं। ये एचपीसी https://ncert.nic.in/parakh/hpc.php?ln= पर उपलब्ध हैं।

*****